रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 17 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 232 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

दो की घटनास्थल और एक की अस्पताल में मौत, 4 घायल गंभीर, जांच शुरू

कालानी नगर रोड पर ट्रक हादसे में पुलिस की लापरवाही, ट्रक सड़क पर कैसे आया

इंदौर। सोमवार शाम कालानी नगर से एयरपोर्ट रोड पर एक ट्रक करीब एक किलोमीटर तक लोगों को रौंदते हुए दौड़ा। तेज रफ्तार ट्रक ने कई लोगों और वाहनों को कुचला-टक्कर मारी। इस हादसे में घटनास्थल पर 2 लोगों की मौत हुई और एक घायल ने मंगलवार सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री दोपहर में घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे।

ट्रक ने करीब 30 लोगों को चपेट में लिया। हादसे के दौरान ट्रक (एमपी 09 झेडपी 4069) में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक की टक्कर के बाद उसमें एक बाइक फंस गई थी। ट्रक लगातार बाइक को रगड़ते हुए चल रहा था, जिससे उसमें ब्लास्ट हो गया और ट्रक में आग लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने अपर मुख्य सचिव गृह को इंदौर जाने के निर्देश दिए। साथ ही रात 11 बजे से पहले शहर में भारी वाहनों के प्रवेश के कारणों की जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं। दो मृतकों के शवों को अस्पताल लाया गया। 13 घायलों में से गीतांजलि अस्पताल में 6 घायल, वर्मा यूनियन अस्पताल में 2 घायल, बांठिया अस्पताल में 2 घायल, अरबिंदो अस्पताल में 2 घायल और भंडारी अस्पताल में 1 घायल को भर्ती कराया गया। 4 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ट्रक की एंट्री शहर में नहीं- शहर में शाम के समय ट्रकों की एंट्री बैन रहती है। ऐसे में ये ट्रक नो एंट्री में घुसा। जिसने सवा किलोमीटर के रास्ते में लोगों और कई गाड़ियों को टक्कर मारी। लोगों ने बताया कि 30 से ज्यादा लोगों को ट्रक ने टक्कर मारी। कालानी नगर पर पुलिस ने रोकने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रक चालक ने वहां से गाड़ी की रफ्तार बढ़ाकर भगाई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्रक के ब्रेक फेल थे और ड्राइवर भी नशे में था। ट्रक के टायर में आग लगने लगी। उसके बाद ट्रक ने जितने लोगों को टक्कर मारी सभी नीचे गिरते चले गए। उसके बाद तीन लोग ट्रक के नीचे आ गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक विद्या पैलेस से गुजरते हुए लोगों को रौंदता हुआ निकला। पहले उसने एक महिला को टक्कर मारी उसके बाद एक लाइन से कई लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ता गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक ने सबसे पहले रामचंद्र नगर चौराहे पर दो बाइक सवारों को टक्कर मारी। ये दोनों ही बाइक ट्रक में फंस गई। इसके बावजूद ट्रक की रफ्तार तेज रही। ट्रक में फंसी बाइक घिसटती चली गई। लोगों ने ड्राइवर को आवाज देकर ट्रक रोकने की कोशिश भी की। लेकिन ट्रक नहीं रुका। लोगों ने बताया कि बड़ा गणपति चौराहे से पहले ट्रक बेकाबू हो गया। जिसकी चपेट में कई लोग आ गए और आग भी लग गई। रामचंद्र नगर चौराहे से बड़ा गणपति की दूरी करीब एक किलोमीटर है। बताया जा रहा है कि रामचंद्र नगर चौराहे के दोनों तरफ पुलिस जवान चालानी कार्रवाई कर रहे थे।

शराब के नशे में था ट्रक ड्राइवर- इंदौर जोन-1 के डीसीपी कृष्णा लालचंदानी ने बताया कि ड्राइवर शराब के नशे में था। उसने कालानी नगर में लोगों को टक्कर मारी। उसके बाद वहां से लोगों को घसीटते हुए लेकर आया। ज्यादा नशे में होने के कारण ड्राइवर ट्रक पर कंट्रोल नहीं कर पाया। यहां दो लोगों की मौत हुई है। तीन से चार लोग घायल हैं। जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी ने बताया कि ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया गया है। जिसे मल्हारगंज थाने ले गए। उसका मेडिकल कराया जा रहा है। ट्रक को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बसाहट घनी, पुलिस लापरवाह - इस रोड पर अब घनी बसाहट हो गई है और सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में व्यावसायिक कारोबार होता है। कई शोरूम, दुकानें, बैंक, दफ्तर आदि है। यही देपालपुर रोड और सुपर कॉरिडोर होकर धार रोड, उज्जैन रोड से भी जुड़ता है। इस मार्ग पर दिनभर वाहनों की भारी आवाजाही होती है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस मार्ग के प्रमुख चौराहों बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, कालानी नगर पर यातायात व्यवस्थित करने के पुलिसिया इंतजाम सिर्फ दिखावटी हैं। नियमों का पालन तो बिलकुल नहीं होता। हजारों लोग रोज बेतरतीब यातायात के बीच जान हथेली पर लेकर निकलने को मजबूर हैं। **ट्रैफिक पुलिस वसूली में व्यस्त -** लोगों का आरोप है कि शहर में ट्रैफिक के जवान दोपहिया वाहनों से चालान के बहाने वसूली में व्यस्त रहते हैं। रात को ट्रैफिक पुलिस का सारा अमला बैरियर लगाकर चार पहिया वाहन चालकों के मुंह सूंघता रहता है। जबकि, उन्हें व्यस्त समय में ट्रैफिक कंट्रोल करना होता है, पर वे फिजूल के काम और वसूली में लगे दिखाई देते हैं। ये घटना भी इसी से जन्मी है। जब रात 11 बजे तक भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकते, तो शाम को ये ट्रक व्यस्त सड़क पर कैसे लोगों को रौंदते हुए दौड़ा।

कलेक्टर ने घायलों का हाल जाना- मुख्यमंत्री के निर्देश पर घायलों का हालचाल जानने और उनके इलाज की मॉनिटरिंग करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा, अरविंदो, बांठिया, भंडारी, वर्मा यूनियन और गीतांजलि अस्पताल पहुंचे।अरविंदो अस्पताल में भर्ती एक बच्ची को देख कलेक्टर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह मेरी बेटी है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने सभी घायलों के इलाज के लिए डॉक्टरों से बात की। मौके पर मौजूद सभी परिजन को बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें सीधे निर्देश दिया है कि घायलों की हर संभव मदद हो।

हाईकोर्ट में एमवाय के चूहा कांड की स्टेटस रिपोर्ट पेश, स्टाफ है जिम्मेदार

रिपोर्ट में कहा गया कि नवजात बच्चों की मौत का कारण चूहे नहीं

इंदौर। सोमवार को हाईकोर्ट की खंडपीठ में एमवाय अस्पताल में चूहों के कुतरने के बाद दो नवजातों की मौत के मामले में सुनवाई हुई। सरकार ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट पेश की। इसमें दोनों नवजात बच्चों की मौत चूहों के काटने से नहीं होने का ज़िक्र किया गया है। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस पिल्लई की बेंच ने नवजात बच्चों के मौलिक अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा मानते हुए स्वत- संज्ञान लिया। हाईकोर्ट ने 15 दिन बाद कार्रवाई नहीं होने पर सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट मामले में 15 सितंबर तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट ने कहा था कि सफाई और पेस्ट कंट्रोल करने वाली निजी कंपनी एजाइल सिक्योरिटी के खिलाफ ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, जबकि उसकी लापरवाही से यह दर्दनाक हादसा हुआ। इस रिपोर्ट में धार जिले की दंपत्ति के नवजात की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का भी जिक्र है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसके कुछ ऑर्गन्स पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे। इसके साथ ही दूसरी बीमारियां भी थी। मौत का कारण रेट बाइट नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया कि पहली घटना 30 अगस्त की सुबह 4 बजे हुई, जबकि दूसरी घटना 31 अगस्त की रात 10.30 बजे हुई थी। इसमें यह देखा गया कि पहली घटना में क्या-क्या स्टेप्स लिए गए और क्या-क्या नहीं लिए गए। इसमें जिन्होंने घटना को लेकर रिपोर्ट नहीं की, उनकी भी गलती है और जिनकी उपस्थिति में गलती हुई हैं, उन्हें भी जिम्मेदार बताया। वहीं पेस्ट कंट्रोल एजाइल कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने संबंधी नोटिस दिए जाने का भी जिक्र है। **ऐसी घटनाएं रोकने उठाएंगे कदम-** सरकार ने हाईकोर्ट में कहा कि रेट बाइट की घटना को काफी गंभीरता से लिया गया है। भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए नवजातों से संबंधित पीआईसीयू और एनआईसीयू यूनिट्स को सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में तुरंत अच्छे सेटअप के साथ शिफ्ट किया जाएगा। वहां भी इस तरह की घटनाओं लेकर विशेष सतर्कता रखी जाएगी। इसके साथ ही पीआईसीयू और एनआईसीयू यूनिट्स को सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शिफ्ट करने के दौरान तक इन दोनों यूनिट्स में फ्यूमीगेशन और पेस्ट कंट्रोल कराया जाएगा। **अलग से अथॉरिटी गठन करें-** सुनवाई के दौरान यह भी माना गया कि ऐसे उपाय होने चाहिए, जिनसे शासन द्वारा जारी पैरामीटर और गाइडलाइन का पूरा पालन हो। इसके लिए यदि कोर्ट को अलग से कोई अथॉरिटी गठित करनी पड़े, तो वह भी की जा सकती है। सभी जिम्मेदारों द्वारा इसका पालन करना अनिवार्य होना चाहिए। यह बात अति गंभीर मानी गई कि यह एक अप्रिय घटना है और दोबारा नहीं होनी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि इसके लिए वर्तमान गाइडलाइन क्या हैं और आगे नया क्या होना चाहिए। **कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया-** इस मामले में कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया था और शासन से स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा था। हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में कई बिंदुओं पर सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट की टीम पहले ही अस्पताल के एनआईसीयू और पीआईसीयू का दौरा कर चुकी है। इस केस में 15 दिन बाद भी कठोर कार्रवाई न होने पर हाईकोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी किया था और 15 सितंबर तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी।

बांद्रा से बरौनी के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन

इंदौर। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम से होकर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया पर किया जाएगा। गाड़ी बांद्रा टर्मिनस से बरौनी जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे चलेगी। बांद्रा टर्मिनस से बरौनी साप्ताहिक स्पेशल, बांद्रा टर्मिनस से 22 सितंबर से 6 अक्टूबर तक प्रति सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.20 बजे चलेगी तथा बुधवार को 19.15 बजे बरौनी रेलवे स्टेशन पहुँचेगी। इसका रतलाम आगमन मंगलवार को 6.40 बजे एवं प्रस्थान 6.50 बजे होगा। इसी प्रकार बरौनी से बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, बरौनी से 25 सितंबर से 9 अक्टूबर तक प्रति गुरुवार को चलेगी। यह ट्रेन गुरुवार को बरौनी से 12.15 बजे चलेगी तथा शनिवार को 6.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इसका रतलाम आगमन शुक्रवार को 19.25 बजे एवं प्रस्थान 19.35 बजे होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन थर्ड एसी, स्लीपर एवं अनारक्षित सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

पिछोर एसडीएम ममता शाक्य नें सुनी आमजनों की समस्याएं

जनसुनवाई के दौरान किये समस्याओं के निराकरण

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रति मंगलवार को चलाई जा रही जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत 16 सितंबर मंगलबार को पिछोर अनुबिभागीय दंडाधिकारी श्रीमती ममता शाक्य ने विभागीय अधिकारियों सहित लोगों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर पर निराकरण किया! जिसमें कब्जा, आवास कुटीर,पट्टे, मध्याह भोजन,सीमांकन आंगनवाड़ी नियुक्ति,नकल तथा बीपीएल कार्ड बनवाने आदि के आवेदन

प्रस्तुत किए गए! जिसमें अंजली अहिरवार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति में फर्जी बीपीएल कार्ड लगाने की शिकायत की गई, इसके साथ ही रतिराम पाल द्वारा खसरा एवं नकल न मिलने की शिकायत लेकर आवेदन दिया जिस पर एसडीएम ने खनियाधाना नकल शाखा प्रभारी को शीघ्र नकल निकालने के निर्देश दिए वहीं वार्ड क्रमांक 01के खनियाधाना में जगदीश कोली, मोनू परिहार द्वारा बनी हुई नाली को बंद करने का आवेदन दिया गया, एवं वार्ड क्रमांक एक रेतबाई मोहल्ला की सफाई कराने हेतु समस्त वार्डबासी द्वारा आवेदन दिया गया जिस पर सीएमओ को सफाई कराने के निर्देश दिए, शासकीय माध्यमिक विद्यालय घिलोदरा खनियांधाना में मध्यान भोजन मीनू अनुसार वितरण होने के संबंध में बृजेश राय सहित समस्त ग्राम वासियों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया जिस पर जांच करने हेतु निर्देशित किया गया, इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 14 के अरविंद रजक द्वारा वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का आवेदन दिया गया जिस पर तहसीलदार को शीघ्र ही नाम जोड़ने के निर्देश दिए गए, इसके साथ ही ग्राम पंचायत गजौरा मजरा रामपुरा का रास्ता अधिक खराब होने के संबंध में समस्त ग्रामवासी सहित छात्रों द्वारा आने-जाने की परेशानीयों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया जिसको जाँच हेतु सीईओ को मार्क कर निर्देशित किया! इसके साथ-साथ बीपीएल कार्ड बनाने तथा जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु भी आवेदन दिए गए! जनसुनवाई के दौरान पिछोर तहसीलदार शिवशंकर सिंह गुर्जर, नायब तहसीलदार शुभम गर्ग, सीडीपीओ अरविंद तिवारी, खाद्य आपूर्ति अधिकारी जगदीप राजपूत सहित विभागों के अधिकार एवं कर्मचारी उपस्थित थे!

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन पदाधिकारी पहुचे मरीजों का हालचाल जानने गीतांजलि हॉस्पिटल

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर संभाग द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि एरोड्रम रोड पर कॉलनी नगर चौराहा के पास नशे में चूर ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्ण से चला रहा था,विगत शाम को रोड पर चल रहे राहगीरो को मौत के घाट उतार दिया अभी तक 5 लोगो की मौत हो चुकी है और दर्जनों राहगीरो को घायल अवस्था मे अस्पताल में भर्ती कराया गया है,राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा घायलों की देखभाल एवम सहायता उपलब्ध कराई गई आज गीतांजलि हॉस्पिटल इंदौर में भर्ती6 मरीजों का हालचाल जाना और निःशुल्क दवाई एवम सहायता राशि उपलब्ध कराई गई,एक एक घायलों से हॉस्पिटल प्रबंधको की जानकारी ली इस अवसर पर सम्भागीय अध्यक्ष डॉ सम्भूनाथ मिश्र,वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार तिवारी,महासचिव विकास जोशी,शेखर जोशी,हीरा लाल आंजना, मंथन प्रजापत,संतोष भवँर आदि मानवाधिकार संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इन्दौर हादसा

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का कठोर रुख़।

ज़िम्मेदार अधिकारियों पर मौक़े पर जाकर की कार्रवाई।

घायलों और पीड़ित परिवारों से मिले ढाढ़स बँधाया।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि दुर्घटना अत्यंत हृदय विदारक थी और उस पीड़ा से वे रात भर परेशान भी रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश

मृतक के परिजन को चार लाख रूपये की सहायता

घायलों को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता

घायलों के इलाज का खर्चा सरकार वहन करेगी

पुलिस उपायुक्त यातयात श्री अरविन्द तिवारी को हटाया गया

निलंबित- श्री सुरेश सिंह ACP, श्री प्रेम सिंह प्रभारी ASI (बिजासन प्रभारी), चन्द्रेश मरावी प्रभारी सूबेदार (सुपर कोरिडोर प्रभारी), श्री दीपक यादव निरीक्षक (सुपर कोरिडोर से एरोड्रम प्रभारी

ड्यूटी पर तैनात सभी चार कांस्टेबल निलंबित

कान्सटेबल पंकज यादव और अनिल कोठारी आटो रिक्शा चालक को अच्छा काम करने के लिये पुरस्कृत किया जायेगा

एसीएस होम घटना की विस्तृत जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

उज्जैन में किसानों की तीन किमी लंबी ट्रैक्टर रैली

2000 ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंचे, सिंहस्थ में स्थायी सिटी बनाने का कर रहे विरोध

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में लैंड पुलिंग योजना के विरोध में किसान इकट्ठा हो रहे हैं। अब तक 2000 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 5000 से अधिक किसान शहर में पहुंच चुके हैं। इस आंदोलन में 10 हजार किसानों के पहुंचने का अनुमान है।

किसान सिंहस्थ में स्थायी सिटी बसाने के लिए लैंड पुलिंग का विरोध कर रहे हैं। साथ ही 15 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। पुलिस ने प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की है। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो गांवों से दूध, सब्जी की सप्लाई बंद कर दी जाएगी।

सिंहस्थ क्षेत्र से जुड़े 17 गांवों सहित अन्य क्षेत्र के किसान आगर रोड स्थित सामाजिक न्याय परिसर पहुंच रहे हैं। किसानों के इस आंदोलन को भाजपा नेता और पूर्व मंत्री पारस जैन ने समर्थन दिया है। हालांकि कुछ देर बाद वे लौट गए। आंदोलन का आव्हान भारतीय किसान संघ जिला उज्जैन मालवा प्रांत ने किया है। सरकार इंदौर और उज्जैन के करीब एक लाख बीघा जमीन की लैंड पुलिंग कर रही है।

- **सरकार ने अब तक बात नहीं की–** संघ प्रचारक और भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि सरकार जल्दबाजी में गलती कर रही है। उसकी मंशा है कि किसानों से जमीन खींचकर परमानेंट स्ट्रक्चर तैयार कर देंगे। किसान संघ इसका विरोध कर रहा है।

मिश्र बोले- सरकार को इतनी सी बात समझ नहीं आ रही

मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा, संत साधना के लिए आ रहे हैं। उन्हें आराम की जरूरत नहीं। लाखों श्रद्धालुओं के लिए खुला मैदान होना चाहिए। 1500-1800 किसान प्रभावित हैं। उनसे बात करो। प्रशासन के उन लोगों से बात कर रहे, जो दो, चार, 10 साल बाद यहां से भाग जाएगा। यहां का किसान हजारों साल से जमीन दे रहा है। आपको थोड़ा मुआवजा देना पड़ता है। सिंहस्थ ऐसा बने, सुविधाएं बढ़िया बनें, जमीन 11 साल किसान उपयोग में लें एक साल सिंहस्थ को दे दें।

सेलिंग चैम्पियनशिप-2025 का शुभारंभ

बड़ी झील में जलक्रीड़ा उत्सव, राष्ट्रीय स्तर के नाविक करेंगे प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की शान कही जाने वाली ऐतिहासिक बड़ी झील एक बार फिर रोमांच और प्रतिस्पर्धा के रंग में रंग गई। राजा भोज मल्टीक्लास सेलिंग चैम्पियनशिप-2025 का विधिवत शुभारंभ खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया। उनके उद्घाटन घोषणा के साथ ही नाविकों ने झील की लहरों पर अपनी सेलिंग बोट्स दौड़ाना शुरू कर दिया।

देशभर के नाविकों का जमावड़ा– 16 से 21 सितंबर तक चलने वाली इस चैम्पियनशिप में देशभर से आए राष्ट्रीय स्तर के नाविक भाग ले रहे हैं। बड़ी झील के नीले पानी पर रंग-बिरंगी नावों की प्रतिस्पर्धा ने माहौल को रोमांचक बना दिया। आयोजन स्थल खानूगांव पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और पर्यटक भी जुटे।

खेल और पर्यटन का उत्सव

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि भोपाल की बड़ी झील को जलक्रीड़ा गतिविधियों का हब बनाने की दिशा में यह प्रतियोगिता मील का पत्थर साबित होगी। राज्य सरकार खेल और पर्यटन दोनों क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

गौरवशाली परंपरा– गौरतलब है कि अपर लेक में 1996 से ही सेलिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। यहां स्थापित नेशनल सेलिंग स्कूल और आर्मी एडवेंचर नोडल सेंटर से निकलकर प्रदेश के नाविक अब तक 141 राष्ट्रीय और 4 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं।

प्रमोशन में आरक्षण: हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

जबलपुर हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार से प्रमोशन में आरक्षण को लेकर नई नीति पर स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत ने सवाल उठाया कि जब पुरानी नीति पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, तो ऐसे में नई नीति लाना किस तरह उचित है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि पहले रद्द किए गए प्रमोशन पर सरकार नई नीति कैसे लागू करेगी। राज्य की ओर से महाधिवक्ता ने अदालत को आश्वस्त किया कि सामान्य प्रशासन विभाग से इस संबंध में क्लेरिफिकेशन जारी करवाया जाएगा। हाईकोर्ट ने साफ किया कि जब तक स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तब तक अगली सुनवाई नहीं होगी। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को तय की है। फिलहाल नई नीति के तहत प्रमोशन की प्रक्रिया रुकी हुई है। इससे हजारों कर्मचारियों की पदोन्नति पर असमय रोक लगी हुई है, जिसके चलते उनमें तनाव और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अदालत की कार्यवाही से संकेत मिले हैं कि सरकार को भविष्य में ऐसी नीति लानी होगी, जो सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों को ध्यान में रखते हुए कानूनी रूप से टिकाऊ हो।

लैंड पुलिंग एक्ट पर CM मोहन का बड़ा बयान

बोले- किसानों को नाराज नहीं करेंगे

उज्जैन। मध्यप्रदेश में लैंड पुलिंग एक्ट को लेकर किसानों के गुस्से के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा बयान दिया है। सीएम ने स्पष्ट किया कि किसानों से लगातार संवाद किया जा रहा है और किसी को नाराज नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में साधु-संतों और करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोई कमी न रहे, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। सीएम ने भरोसा दिलाया कि स्थानीय किसानों का सहयोग हमेशा सिंहस्थ में अहम रहा है और इस बार भी उनकी भावनाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा।

गौरतलब है कि भारतीय किसान संघ ने इस एक्ट पर आपत्ति जताते हुए भूमि अधिग्रहण का विरोध किया है। संगठन ने सीएम और पीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याएँ उठाईं। वहीं, उज्जैन में ट्रैक्टर रैली को कई समाजों और अखाड़ों ने समर्थन दिया है। किसानों का कहना है कि सिंहस्थ की तैयारी स्थाई निर्माण के बजाय अस्थाई ढाँचे से होनी चाहिए, ताकि भूमि पर उनका अधिकार सुरक्षित रहे।

बैतूल में प्रूफ रेंज विस्तार से ग्रामीणों में रोष, दिग्विजय सिंह से दखल की मांग

बैतूल। जिले के चिचोली, टेमरामाल, मलाजपुर, खदरा, चिकली, धप्पा, झारकुंड और रामपुर माल सहित दर्जनों गांवों में प्रूफ रेंज विस्तार की आशंकाओं ने हजारों परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों को जमीन अधिग्रहण और विस्थापन का भय सता रहा है। खेत-खलिहान और पुरखों की जमीन बचाने के लिए ग्रामीण लगातार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को पत्र लिख रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश सचिव हर्ष भुसारी ने इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी पत्र ने ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। दिग्विजय सिंह ने आश्वासन दिया है कि वे इस मुद्दे को सरकार और संबंधित विभागों के सामने मजबूती से उठाएंगे। हर्ष भुसारी ने प्रशासन से भी आधिकारिक लिखित स्पष्टीकरण जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि कोई योजना प्रस्तावित है तो उसमें जनता की सहमति आवश्यक है। अन्यथा पारदर्शिता के अभाव में असंतोष गहराता जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर जन आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव, खेत और जंगल उनकी पहचान हैं, जिन्हें किसी भी कीमत पर मिटने नहीं दिया जाएगा।

नागरिक बैंक बैतूल की 49 वीं वार्षिक आमसभा 19 को

बैतूल। नागरिक सहकारी बैंक बैतूल की वर्ष 2024-25 की 49 वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन 19 सितंबर को अपरान्ह 4 बजे से बैंक कार्यालय प्रांगण में किया गया है। बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.आर. कोसे द्वारा बताया कि बैंक के वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक वित्तीय पत्रको की स्वीकृति,बजट का अनुमोदन,वार्षिक कार्यक्रम की पुष्टि, लाभ के विभाजन आदि विषयों पर, आम सभा आयोजित की गई।

प्रदेश में फिर तबादले, 20 आईएएस इधर से उधर

विशेष गढ़पाले ऊर्जा विभाग में सचिव बने, वंदना वैद्य वित्त निगम की एमडी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में एक बार फिर आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। सरकार ने 20 अफसरों को इधर से उधर किया है। 2008 बैच के आईएएस विशेष गढ़पाले को ऊर्जा विभाग में सचिव बनाया गया है। वंदना वैद्य को मप्र वित्त निगम इंदौर में प्रबंध संचालक बनाया गया है।

तपस्या परिहार को कटनी नगर निगम का आयुक्त बनाया है। दलीप कुमार देवास नगर निगम के कमिश्नर होंगे। अनिल भाना को रतलाम नगर निगम कमिश्नर की जिम्मेदारी सौंपी है। बता दें कि 7 दिन पहले ही 14 अफसरों के तबादले किए गए थे।

इनके हुए तबादले

- **विशेष गढ़पाले**- ऊर्जा विभाग में सचिव बने।
- **गजेन्द्र सिंह नागेश**- नरसिंहपुर के जिला पंचायत सीईओ बने।
- **वंदना वैद्य**- मप्र वित्त निगम की प्रबंध संचालक बनीं।
- **गुरु प्रसाद**- मुख्य सचिव कार्यालय में उप सचिव बने।
- **दिव्यांक मिश्रा**- नगरीय प्रशासन विभाग में अपर आयुक्त बने।
- **तपस्या परिहार**- कटनी नगर निगम आयुक्त बनीं।
- **शिशिर गेमावत**- नगरीय प्रशासन विभाग में अपर आयुक्त बने।
- **नेहा जैन**- नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण इंदौर में उप संचालक बनीं।
- **श्रेयांस कुमट**- उज्जैन के जिला पंचायत सीईओ बने।
- **तन्मय वशिष्ठ शर्मा**- भोपाल नगर निगम में अपर आयुक्त बने।
- **दलीप कुमार**- देवास नगर निगम कमिश्नर बने।
- **नवजीवन विजय पवार**- इंदौर के अपर कलेक्टर बने।
- **अनिल कुमार राठौर**- मप्र औद्योगिक विकास निगम क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर में कार्यकारी संचालक बनाए गए।
- **अंशुमान राज**- स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (स्वान) के एमडी बने। राज्य कंप्यूटर सिक्योरिटी इंसीडेंट रिस्पांस टीम भोपाल के डायरेक्टर का अतिरिक्त प्रभार रहेगा।
- **अरविंद कुमार शाह**- जबलपुर नगर निगम में अपर आयुक्त बने।
- **टी प्रतीक राव**- ग्वालियर नगर निगम में अपर आयुक्त बने।
- **अनिशा श्रीवास्तव**- मप्र औद्योगिक विकास निगम क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर में कार्यकारी संचालक बनीं।
- **शृंगार श्रीवास्तव**- इंदौर नगर निगम में अपर आयुक्त बनाया गया है।
- **अनिल भाना** - रतलाम नगर निगम कमिश्नर बनाया गया है।

संपादकीय

पटाखों से होती है गंभीर स्वास्थ्य की समस्या

देश के विभिन्न शहरों में बढ़ता प्रदूषण एक गंभीर और जटिल समस्या बनता जा रहा है। हवा, पानी और जमीन में प्रदूषण के जहरीले तत्त्वों के घुलने से मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसका असर सांस एवं अन्य तरह की बीमारियों में वृद्धि और कृषि उत्पादन में कमी के रूप में भी देखा जा रहा है। इतना ही नहीं, प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में तेजी का कारण भी बन रहा है, जिससे बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें पटाखे भी शामिल हैं।

देश की राजधानी दिल्ली प्रदूषण को लेकर हमेशा चर्चा में रहती है, जबकि ऐसा नहीं है कि देश के अन्य शहरों में प्रदूषण कम है। दिवाली और दशहरे के मौके पर पटाखे चलाए जाने से दिल्ली समेत देश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर काफी नीचे गिर जाता है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के विनियमन की मांग पर सर्वोच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि अगर स्वच्छ हवा राष्ट्रीय राजधानी के 'कुलीन' निवासियों का अधिकार है, तो यह पूरे देश के नागरिकों को भी मिलना चाहिए।

दरअसल, पटाखों से होने वाला प्रदूषण बहुआयामी है। इसमें वायु और ध्वनि प्रदूषण के अलावा मिट्टी और जल प्रदूषण भी शामिल है। पटाखों से होने वाला वायु प्रदूषण विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इससे निकलने वाले महीन कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) फेफड़ों और रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर जाते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

पटाखे चलाने के दौरान जहरीली गैसों के अलावा प्लास्टिक के सूक्ष्म कण और कई खतरनाक धातुओं के कण भी निकलते हैं, जो वातावरण और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही कार्बन डाइआक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन की गति को बढ़ाने का काम करता है। हमारी सामाजिक सोच अब ऐसी हो गई है कि त्योहार हो, विवाह समारोह हो या कोई अन्य विशेष कार्यक्रम, पटाखों के बिना उसे अधूरा माना जाता है। खुशी और उत्साह में हम यह भूल जाते हैं कि पर्यावरण में जो जहर में हम घोल रहे हैं, वह हमारे जीवन के लिए कितना खतरनाक है।

स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आइक्यूएअर की हालिया वैश्विक रपट के मुताबिक, भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे प्रदूषित देश है। दुनिया के बीस सबसे प्रदूषित शहरों में से तेरह भारत में हैं। इनमें असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्नीहाट को विश्व स्तर पर सबसे प्रदूषित शहर के रूप में चिह्नित किया गया है। इसके अलावा, इस सूची में दिल्ली, पंजाब का मुल्लांपुर, राजस्थान का भिवाड़ी और गंगनगर भी शामिल है। इससे साफ है कि प्रदूषण का मसला सिर्फ दिल्ली से ही नहीं जुड़ा है, बल्कि देश के अन्य शहरों में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है।

इसलिए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के नागरिकों को मिलना चाहिए। इसमें दोराय नहीं कि पटाखों पर चुनिंदा तरीके से प्रतिबंध लगाने से व्यापक रूप ले चुकी इस समस्या से निजात मिलना संभव नहीं है। दिल्ली जैसे शहरों की स्थिति किसी अन्य शहर में पैदा होने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि प्रदूषण से निपटने के लिए पटाखों पर प्रतिबंध की अगर कोई नीति बने, तो वह देश भर में लागू होनी चाहिए।

टेंशन बढ़ाती चौपहियाओं को खड़ी करने की समस्या

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की माने तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी समय रहते जगह तलाशनी होगी। पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है। दरअसल इस सबके लिए समय रहते दूरगामी नीति बनानी होगी ताकि समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ नहीं जाएं।

रणजीत टाइम्स

पिछले दिनों समाचार पत्रों में दो समाचारों की सुर्खियां प्रमुखता से देखी गई। पहला समाचार यह कि एक मोटे अनुमान के अनुसार नोएडा में साल भर में एक लाख से अधिक नए वाहन खरीदे जाते हैं तो दूसरा समाचार दिल्ली से जुड़ा है और इसमें यह कि दिल्ली में कहीं भी जाओं तो वाहन को पार्किंग के लिए खड़ा करने में औसतन 20 मिनट तो लग ही जाते हैं। दोनों समाचार ही देष में आर्थिक उन्नती को दर्शाने के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव को इंगित करते हैं। पर इसके साथ ही यह भी साफ हो जाता है कि हमारे शहर आज और आने वालों सालों के लिए अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं है। एक और वाहनों की मांग और खरीद बढ़ती जा रही है और इसमें भी बड़ा बदलाव यह देखा जा रहा है कि अब लक्जीरियस वाहनों की खरीद को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है तो दूसरी और ऑफिस या किसी काम से घर से बाहर निकलने पर वाहन को पार्क करने की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हालात यहां तक हो गए हैं कि वाहनों की पार्किंग को लेकर तू तू मैं मैं, झगड़ा और मारपीट तो आम होती जा रही हैं वहीं वाहन खड़ा करने को लेकर जानलेवा हमला और जान ले लेने तक के समाचार अखबारों की यदा कदा सुर्खियां बनते जा रहे हैं। रोडरेज की घटनाएं आम होती जा रही है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह समस्या कोई नोएडा या दिल्ली की ही नहीं हैं अपितु कमोबेस यह समस्या देश के किसी भी शहर में गंभीर रुप लेती देखी जा सकती हैं। दरअसल हमारे नगर नियोजकों व शहरी नियामक संस्थाओं ने पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं है। गांवों को निगलकर शहरों का विस्तार होता जा रहा है तो गगनचुंबी इमारते बनती जा रही है। आबादी का घनत्व और दबाव बढ़ता जा रहा हैं। जिस अनुपात में यह बदलाव आ रहा है उस अनुपात में भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की और ध्या नही नहीं दिया जा रहा है। आबादी के पास के एक समय के बड़े बड़े बंगले अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और मॉल्स में तब्दील होते जा रहे हैं। जहां पहले एक बंगले से एक समय में एक या दो वाहनों का ही यातायात दबाव पड़ता था वहीं अब उसी स्थान पर बनें मल्टी स्टोरी में बहुत से फ्लेट्स होने के कारण बहुत से परिवार रहने के कारण औसतन डेढ़ गाड़ी का दबाव भी माना जाएं तो साफ हो जाता है कि रोड पर वाहनों का दबाव तो पड़ेगा ही। जहां तक मॉल्स का सवाल है अधिकतर माल्स में पार्किंग की सुविधा तो होती है पर अधिकांश पार्किंग तो माल्स में बिजनस प्रतिष्ठानों के मालिकों, कार्मिकों आदि से ही भर जाते हैं तो वहां आने वालों के लिए पार्किंग की समस्या बन ही जाती है। पार्किंग की समस्या को लेकर भी दो तरह की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। एक तो यह कि अब घरों कालोनियों में भी वाहन पार्किंग की समस्यां गंभीर होती जा रही है। इसका बड़ा कारण एक ही परिवार में एक से अधिक वाहनों और वह भी लक्जीरियस वाहन एमयूवी/एसयूवी का होना आम होता जा रहा है तो दूसरी और सार्वजनिक परिवहन साधनों की योजनाबद्ध उपलब्धता नहीं होना है। कहने को तो अब ओला-उबेर की बात की जाने लगी है या दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में मेट्रो ट्रेन की बात की जा सकती है पर समस्या

का समाधान यह इसलिए नहीं है कि नई कालोनियों के विकास के अनुसार इनकी सहज उपलब्धता का सवाल भी होता है।

भले ही यह बात थोड़ी अजीब अवश्य लगे पर अब शहरों में घरेलू या यों कहें कि निजी चौपहिया वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह सही है कि यह समस्या केवल और केवल हमारे महानगरों तक सीमित ना होकर दुनिया के अधिकांश देशों के सामने तेजी से विस्तारित होती जा रही है।

दुनिया के देश चौपहिया वाहनों की पार्किंग समस्या से दो चार हो रहे हैं और इस समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। यहां तक की पार्किंग शुल्क से अच्छी खासा आय होने लगी है। अकेले भारत की ही बात करें तो देश में पांच करोड़ से अधिक कारें चलन में हैं और हर साल में इसमें इजाफा ही होता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में उपलब्ध कारों की पार्किंग के लिए ही चार हजार से अधिक फुटवाल के मैदानों जितनी जगह की आवश्यकता है। अगर दिल्ली की ही पार्किंग से आय की बात करें तो यह कोई 9800 करोड़ से अधिक की हो जाती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी शहर की गलियों में निकल जाएं तो देखेंगे कि गलियों में घरों के बाहर सड़क की आधी जगह तो कारों के पार्किंग से ही सटी होती हैं। यानी कि एक ही घर में एक से अधिक कार/वाहन होना अब आम होता जा रहा है। किसी भी शहर में आफिस या बाजार खुलने बंद होने के समय तो जाम लग जाना आम होता जा रहा है। यह सब तो तब है जब आबादी की तुलना में कारों की संख्या कम है। आने वाले सालों में कारों की संख्या में इजाफा ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती।

दरअसल इस सबके अनेक कारणों में से उपनगर विकसित करने पर ध्यान नहीं देना, व्यस्ततम स्थानों पर ही बहुमंजिला इमारतें बनाने की छूट देना, शहरी सार्वजनिक यातायात तंत्र का विकसित नहीं होना, वाहनों की खरीद सहज होना और वाहनों की पार्किंग के लिए दूरगामी योजना का अभाव होना माना जा सकता है। दरअसल चौपहिया वाहनों की जिस तरह से सुगम ऋण सुविधा व पैसों के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण सहज पहुंच हुई है उसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया हैं कि जिस तरह से अमीर गरीब सभी के लिए मोबाइल आम होता जा रहा हैं ठीक उसी तरह से चौपहिया वाहन आम होता जा रहा हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की माने तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी समय रहते जगह तलाशनी होगी। पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है। दरअसल इस सबके लिए समय रहते दूरगामी नीति बनानी होगी ताकि समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ नहीं जाएं। वास्तुकारों और नियोजकों के लिए यह अपने आप में चुनौती पूर्ण काम हो गया है।

किराए की पार्किंग व्यवस्था सस्ती व सहज उपलब्धता वाली भी होनी चाहिए। शहरी निकाय संस्थाओं को इस और गंभीरता से प्रयास करने होंगे वहीं कोलोनाइजरों को भी इस दिशा में पहले से ही रोडमेप बनाकर चलना होगा नहीं तो आने वाले समय में यह एक और नई समस्या दस्तक देने वाली है। सरकार के सामने दोहरी चुनौती है एक और तो ऑटोमोबाईल उद्योग को बढ़ावा देना है तो दूसरी और पार्किंग की समस्या का कोई ना कोई योजनाबद्ध सहज हल खोजना होगा।

मेघा इंजीनियरिंग ने मारा बड़ा हाथ

देश में पहली बार किसी प्राइवेट कंपनी को मिला काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को एक बड़ा काम मिला है। कंपनी को देश का पहला प्राइवेट सेक्टर का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व बनाने और चलाने का काम मिला है। सूत्रों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट लगभग 5,700 करोड़ रुपये का है। मौजूदा कीमत पर इसमें कच्चे तेल को भरने का खर्च लगभग 1.25 बिलियन डॉलर (11,020 करोड़ रुपये) आएगा। यह देश की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करने के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्राइवेट प्रयास होगा।

मेघा इंजीनियरिंग को कर्नाटक के पादुर में 2.5 मिलियन मीट्रिक टन का स्क्क बनाने के लिए 5 साल मिलेंगे। इसके बाद कंपनी इसे 60 साल तक चलाएगी। इससे भारत के मौजूदा 5.33 एमएमटी के रणनीतिक भंडार में काफी बढ़ोतरी होगी। अभी का भंडार देश की कच्चे तेल की मांग को सिर्फ 8-9 दिनों तक ही पूरा कर सकता है। पादुर प्रोजेक्ट में तेल को लोड और अनलोड करने के लिए खास सुविधाएं भी बनानी होंगी। इसके साथ ही जमीन पर और समुद्र में पाइपलाइन भी बिछानी होंगी। मेघा इंजीनियरिंग ज्यादातर तेल और गैस कंपनियों के लिए इपीसी कॉन्ट्रैक्टर के तौर पर काम करती है। कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम के लिए जमीन के नीचे एलपीजी स्टोरेज भी बना रही है। लेकिन एसपीआर चलाना उनके लिए बिल्कुल नया काम होगा। भारत में प्राइवेट कंपनियों को स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में शामिल करने की बात 10 साल पहले शुरू हुई थी। 2018 में सरकार ने पादुर में 2.5 एमएमटी और चांदीखोल (ओडिशा) में 4 एमएमटी के दो प्रोजेक्ट को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत मंजूरी दी थी। लेकिन प्राइवेट कंपनियों को आकर्षित करने के लिए सही नियम बनाने में कई साल लग गए।

क्या होगा फायदा?

मेघा इंजीनियरिंग अपने निवेश पर रिटर्न पाने के लिए सरकार या तेल कंपनियों को स्टोरेज की जगह किराए पर दे सकती है। इसके अलावा, वह कच्चे तेल का कारोबार भी कर सकती है। उसे इसकी पूरी आजादी होगी। कुछ लोगों ने बताया कि स्टोरेज का कुछ हिस्सा किराए पर देने से कंपनी को लगातार कमाई होती रहेगी। इमरजेंसी के समय तेल पर पहला अधिकार सरकार का ही रहेगा। इससे यह रिजर्व एक बिजनेस की तरह भी काम करेगा और देश की सुरक्षा भी करेगा।

कौन-कौन था रेस में

भारत के कुछ स्ट्रेटेजिक रिजर्व पहले से ही पादुर में हैं। इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड नाम की सरकारी कंपनी इन रिजर्व का मैनेजमेंट करती है। इसी कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए बोली मंगवाई थी। बोली में यह देखा गया कि कौन कंपनी सरकार से सबसे कम वायबिलिटी गैप फंडिंग मांगती है। सरकार प्रोजेक्ट के लिए कितना पैसा देगी। यह पैसा प्रोजेक्ट के कुल खर्च (5,700 करोड़ रुपये) का 60 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकता था, यानी 3,420 करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं। मेघा की बोली इस लिमिट से थोड़ी ही कम थी। इसलिए उसे यह काम मिल गया। इसमें और दो कंपनियां भी होड़ में थी लेकिन सूत्रों ने उनके नाम नहीं बताए। भारत के पास अभी 39 मिलियन बैरल का एसपीआर है। इसे आईएसपीआरएल चलाती है। यह विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में जमीन के नीचे बनी गुफाओं में रखा गया है। यह अमेरिका के 727 मिलियन बैरल से बहुत कम है। चीन का एसपीआर 1,200 मिलियन बैरल से भी ज्यादा है। आईएसपीआरएल जल्द ही मेघा के साथ डील साइन करेगी। स्टोरेज बनाने के लिए 214 एकड़ जमीन मुफ्त में देगी।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 पहली बार स्टार्टअप वर्ल्ड कप आयोजित कर

वैश्विक स्टार्टअप्स महत्वाकांक्षाओं को गति देगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
एशिया का सबसे बड़ा डिजिटल टेक्नोलॉजी फोरम इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 पहली बार स्टार्टअप वर्ल्ड कप इंडिया के इंडिया संस्करण की मेजबानी करने को तैयार है। नई दिल्ली के यशोभूमि कनवेंशन सेंटर में 8-11 अक्टूबर तक होने वाली यह वैश्विक प्रतिस्पर्धा, स्टार्टअप्स और नवप्रवर्तकों को सशक्त करने के लिए समर्पित आईएमएसी के अग्रणी स्टार्टअप प्रोग्राम एस्पायर का एक सेंटरपीस होगा। आईएमसी एस्पायर को 300 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं जिनमें से 15 स्टार्टअप्स का चयन एक क्यूरेटेड जूरी द्वारा किया जाएगा। यह प्रतियोगिता इंडिया मोबाइल कांग्रेस में 10 अक्टूबर, 2025 होगी जिसमें चयनित 15 स्टार्टअप्स हिस्सा लेंगे। इस वर्ल्ड कप के इंडिया संस्करण के विजेता का चयन सैन फ्रांसिस्को में होने वाले वर्ल्ड कप ग्रैंड फिनाले के लिए किया जाएगा जहां विश्वविजेता को 10 लाख डॉलर का निवेश पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

स्टार्टअप वर्ल्ड कप एक वैश्विक प्रतियोगिता है जो स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों, इनक्यूबेटर्स, मेंटर्स और इकोसिस्टम के साझीदारों के करीब लाती है जिससे

संस्थापकों के लिए अपने परिवर्तनकारी विचारों को प्रदर्शित करने, अंतरराष्ट्रीय जूरी के समक्ष प्रत्यक्ष प्रस्तुति देने और उद्योगपतियों के साथ संपर्क स्थापित करने का एक बेजोड़ अवसर मिलता है। एस्पायर प्रोग्राम के एक प्रमुख फीचर के तौर पर यह स्टार्टअप वर्ल्ड कप, भारत को डीप टेक और डिजिटल इन्नोवेशन में वैश्विक नेता बनाने के आईएमसी के लक्ष्य में सहयोग करता है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के सीईओ रामकृष्ण पी. ने कहा, आईएमसी एस्पायर के साथ हम स्टार्टअप्स को ना केवल एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर बढ़ने का एक रास्ता भी दे रहे हैं। पहली बार स्टार्टअप वर्ल्ड कप इंडिया की मेजबानी करना, भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक नवप्रवर्तन अर्थव्यवस्था की अग्रणी पंक्ति में लाने की आईएमसी 2025 की प्रतिबद्धता रेखांकित करता है।

ओप्पो इंडिया ने एफ31 5जी सीरीज़ पेश की

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने भारत में एफ31 5जी सीरीज़ लॉन्च की है। एफ-श्रृंखला के ये सबसे नए स्मार्टफोन टिकाऊ और विश्वसनीय परफॉर्मेंस प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किए गए हैं। इस नई सीरीज़ में तीन मॉडल, एफ31 प्रो, एफ31 प्रो और एफ31 शामिल हैं। इनमें से हर मॉडल मजबूती, शक्तिशाली बैटरी, बेहतर हीट मैनेजमेंट और आधुनिक कनेक्टिविटी के लिए बनाया गया है। अपने सभी अपग्रेड्स के साथ एफ31 5जी सीरीज़ भारत में 35,000 रुपये से कम मूल्य वर्ग में अब तक का सबसे स्मूथ और टिकाऊ स्मार्टफोन है। **भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप ड्यूरेबिलिटी-** भारत में ड्यूरेबिलिटी की मांग बहुत बढ़ गई है। हाल ही में काउंटरपॉईंट द्वारा किए गए एक सर्वे के मुताबिक स्मार्टफोन खरीदने वाले 79 प्रतिशत लोग ड्यूरेबिलिटी को सबसे अधिक महत्व देते हैं। आधे से अधिक लोगों ने माना कि वो अक्सर अपने स्मार्टफोन को गिरा देते हैं। एफ31 5जी सीरीज़ इसका समाधान पेश कर रही है। इस स्मार्टफोन में 360 डिग्री आर्मर बॉडी है, जिसमें मल्टी-लेयर एयरबैग संरचना आंतरिक पुर्जों को झटकों से सुरक्षा प्रदान करती है। ये स्मार्टफोन एयरोस्पेस-ग्रेड एएम04 एलुमीनियम अलॉय फ्रेम से बने हैं, जो अपने पूर्ववर्ती के मुकाबले 10 प्रतिशत अधिक मजबूत हैं। इसका एजीसी डीटी-स्टार डी. ग्लास स्क्रीन को और अधिक मजबूत बना देता है। ये डिवाईस आईपी66, आईपी68, और आईपी69 के ट्रिपल सर्टिफिकेशन के साथ आती हैं। इसलिए ये धूल, पानी के घुसने और 80 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर पानी की तेज धार से भी बेहतरीन सुरक्षा प्रदान करती हैं। ये विशेषताएं बारिश में फँसे डिलीवरी राईडर, तेल में सनी उंगलियों से स्मार्टफोन का उपयोग करने वाले दुकानदार, या फिर बाजार की भीड़ से गुजर रहे व्यापारी के लिए काफी उपयोगी हैं। एफ31 चाय, कॉफी, दूध, और डिटरजेंट के पानी जैसे 18 तरल पदार्थों से सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे प्रदर्शित होता है कि यह भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिज़ाईन किया गया

पार्क+ ने भोपाल में अपना एआई सक्षम स्मार्ट

वाहन मैनेजमेंट सिस्टम लॉन्च किया

भोपाल। भारत के सबसे बड़े स्मार्ट वाहन मैनेजमेंट सिस्टम प्रदाता, पार्क+ ने आज भोपाल में अपना एआई सक्षम स्मार्ट वाहन सिस्टम लॉन्च किया। पार्क+ के एआई सक्षम स्मार्ट एक्सेस कंट्रोल सिस्टम के साथ, इंसानी हस्तक्षेप कम से कम होगा, जिससे प्रतीक्षा समय में भारी कमी आएगी और रेज़िडेंशियल सोसायटी, मॉल और कॉर्पोरेट पार्कों में प्रवेश करने वाले कार मालिकों को वास्तव में डिजिटल अनुभव प्राप्त होगा। पार्क+⸝ढ्ढ सक्षम सिस्टम भारत भर में 40 से अधिक शहरों, 10,000 रेज़िडेंशियल सोसायटी, 600 कॉर्पोरेट पार्कों और 100 मॉल में मौजूद हैं।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, पार्क+ के संस्थापक और सीईओ, अमित लखोटिया ने कहा, पार्क+ कार मालिकों के नज़रिये से रेज़िडेंशियल सोसाइटियों, कॉर्पोरेट पार्कों और मॉल्स को स्मार्ट और सुरक्षित बनाने के लिए सचेत प्रयास कर रहा है। इस रणनीति के तहत, हमने भोपाल में अपनी एआई सक्षम स्मार्ट वाहन मैनेजमेंट सिस्टम शुरू किया है, ताकि कार मालिकों के लिए कारों के इस्तेमाल के अनुभव को बढ़ाया जा सके और प्रॉपर्टी मैनेजर्स के लिए वाहनों के मैनेजमेंट को सहज बनाया जा सके। पार्क+ में, हमने ऐसी चीज पर काम किया जो ऐतिहासिक रूप से दर्दनाक और परेशान करने वाली रही है - भीड़भाड़ वाले इलाकों (रेज़िडेंशियल सोसाइटियों, मॉल और कॉर्पोरेट पार्क) में वाहनों की आवाजाही को मैनेज करना और इसे सहज बनाया है। हमने स्मार्ट एआई सक्षम बूम बैरियर विकसित करके पूरे प्रवेश/निकास अनुभव को पूर्णत- डिजिटल कर दिया है। ये बैरियर हमारे आरएफआईडी टैग/एएनपीआर कैमरों को ट्रैक करते हैं, जिससे सोसाइटियों में रहने वाले/कॉर्पोरेट पार्क या मॉल में प्रवेश करने वाले कार मालिकों को बेहतर अनुभव मिलता है। हमारा लक्ष्य हर रियल एस्टेट स्थान को कार मालिकों के लिए ज़्यादा स्मार्ट और सुरक्षित बनाना है।

पार्क+ ऐप डाउनलोड करके, यूज़र पार्क+ सेवाओं का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जैसे कि - फास्टैग रिचार्ज, कार बीमा के ऑफ़र खोजना, कार मैंटनेंस साझेदारों को खोजना, रियायती ईंधन वाउचर खरीदना, कार लोन के लिए पंजीकरण करना, और अपने चालान को ट्रैक करना।

श्रीजी शिपिंग का ईबीआईटीडीए मार्जिन 811 बेसिस पॉइंट्स बढ़ा

जामनगर। श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड जो ड्राई बल्क कार्गो पर केंद्रित एक शिपिंग लॉजिस्टिक्स कंपनी है, ने एफवाय25-26 की पहली तिमाही के अडिट न किए गए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अशोककुमार हरिदास लाल ने एफवाय25-26 की पहली तिमाही की वित्तीय प्रदर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। हमारे एफवाय26 की पहली तिमाही के परिणाम हमारे एकीकृत शिपिंग और लॉजिस्टिक्स व्यवसाय की मजबूती और अनुकूलन क्षमता को दर्शाते हैं। हमने ?59.87 करोड़ के ईबीआईटीडीए और ?37.54 करोड़ के शुद्ध लाभ के साथ मजबूत प्रदर्शन किया। प्रभावी कार्गो हैंडलिंग और लागत अनुकूलन पर अनुशासित ध्यान के कारण ईबीआईटीडीए में 8.11 प्रतिशत और शुद्ध लाभ में 3.97 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आम तौर पर, वित्तीय वर्ष के पहले छमाही में कुछ बंदरों पर मानसून संबंधित प्रतिबंधों के कारण दूसरे छमाही की तुलना में राजस्व कम होता है। इसके बावजूद, हमने अपने विविध सेवा प्रस्तावों, दीर्घकालिक अनुबंधों और व्यापक भौगोलिक उपस्थिति के समर्थन से राजस्व में वृद्धि हासिल की है, जो हमें मौसमी उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने में मदद करते हैं। हमें उम्मीद है कि एफवाय26 की बाकी तिमाहियां भी मजबूत प्रदर्शन जारी रखेंगी।

40 रंगों की दीवारों से बना है अमेरिका का प्रोविडेंस कैन्यन स्टेट पार्क

अमेरिका के जॉर्जिया की प्रोविडेंस कैन्यन स्टेट पार्क एक अनूठी घाटी है. इसके बनने में कुदरत के अलावा इंसानी गतिविधियों का भी योगदान है. इसकी अनूठी दीवारें 40 कुदरती रंगों से रंगी है. आज यह एक स्टेट पार्क के तौर पर जाना जाता है, जहां वन्य जीवन के साथ बाइकिंग, हाइकिंग की गतिविधियां भी देखने को मिलती हैं.

दुनिया में खूबसूरत नजारों वाली जगहों में या तो वे पूरी तरह से कुदरती होती हैं या फिर पूरी तरह से इंसानों की बनाई हुई. कुछ जगहें ऐसी भी हो सकती है जिन्हें इंसानों ने और सुंदर बनाया हो. पर एक जगह ऐसी है जिसके बनने में कुदरत के साथ साथ इंसानी गलतियों की भूमिका है. दक्षिण के ग्रैंड कैन्यन या प्रोविडेंस कैन्यन जॉर्जिया में छिपा एक ऐसा ही चमत्कार है जो सुंदरता और इतिहास से भरा हुआ है. प्रोविडेंस घाटी सिर्फ एक सुंदर चेहरा नहीं है, यह प्रकृति की शक्ति का प्रमाण है और विडंबना यह है कि इसमें थोड़ी मानवीय गलती भी है. यह आश्चर्यजनक प्राकृतिक आश्चर्य लाखों वर्षों में नदी द्वारा चट्टानों को काटने के धीमे और स्थिर काम से नहीं बना है. इसके बजाय, यह 1800 के दशक में खेती के खराब तरीकों का नतीजा है, जिसके कारण गंभीर कटाव हुआ. आज, यह गहरी खाइयों और रंगीन घाटी की दीवारों के जीवंत प्रदर्शन के रूप में खड़ा है, जो इसकी सुंदरता को देखने के लिए हर जगह से पर्यटकों को आकर्षित करता है.

अपनी भव्य मौजूदगी के बावजूद, यह घाटी नई है, जिसका निर्माण 19वीं शताब्दी में हुआ था. लोगों ने खेती के लिए जंगल साफ किए, जिनकी मिट्टी बारिश में बहने से लगी, नाले बनने लगे. समय के साथ, ये नाले गहरे और चौड़े होकर विशाल घाटियों में बदल गए, जिनमें से कुछ 150 फीट से भी अधिक गहरे हैं. प्रोविडेंस कैन्यन की सबसे खास विशेषताओं में से एक इसकी रंगीन दीवारें हैं. दीवारें गहरे लाल और नारंगी से लेकर हल्के गुलाबी और बैंगनी रंग के तमाम रंगों को प्रदर्शित करती हैं, जो मिट्टी के कटाव से उजागर कई प्रकार और खनिजों से बने हैं. घाटी की दीवारों में रंग आयरन ऑक्साइड की मौजूदगी के कारण हैं, जो मिट्टी को उसका लाल रंग देते हैं. अन्य खनिज दूसरे रंग प्रदान करते हैं. घाटी की दीवारों में 40 से अधिक अलग-अलग रंग दिखाई देते हैं.

पर्यावरण क्षरण के नतीजों से बनने के बावजूद, प्रोविडेंस कैन्यन अब पौधों और जानवरों की तमाम प्रजातियों का घर है. यह क्षेत्र एक बेमिसाल पारिस्थितिकी तंत्र बन गया है, जिसमें कई प्रजातियां घाटी के अनूठे वातावरण के अनुकूल हो गई हैं. देर से गर्मियों में खिलने वाले प्लमलीफ़ एज़ेलिया की दुर्लभ प्रजातियां घाटी में पाई जा सकती हैं. घाटी में विभिन्न प्रकार के वन्यजीव हैं, जिनमें लोमड़ी, हिरण और कई पक्षी प्रजातियां शामिल हैं, जो इसे प्रकृति प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन स्थान बनाती हैं. प्रोविडेंस घाटी की खोज करने वालों के लिए, घाटी के तल से होकर और उसके किनारे तक कई पैदल यात्रा मार्ग हैं, जो घाटी और आसपास के भूभाग के शानदार नजारे पेश करते हैं. यात्रियों के लिए 10 मील से अधिक लंबी पैदल यात्रा के रास्ते हैं, जिनमें आसान पैदल यात्रा से लेकर अधिक चुनौतीपूर्ण पैदल यात्राएं शामिल हैं. सबसे लोकप्रिय मार्गों में से एक कैन्यन लूप ट्रेल है, जो 2.5 मील की यात्रा है. यहां घाटी की रंगीन दीवारों के नजदीक से नजारे देखने को मिलते हैं. प्रोविडेंस कैन्यन केवल भूवैज्ञानिक दिलचस्पी की जगह नहीं है. यह एक ऐसी जगह है जहाँ आगंतुक पर्यावरण पर मानवीय क्रियाओं के नतीजों और गलतियों से सुंदरता बनाने की प्रकृति की शक्ति के बारे में जाना जा सकता है. पार्क साल भर खुला रहता है, जो हर मौसम में अलग-अलग तजुर्बे देता है. आज यह जगह एक फोटोग्राफर का सपना और एक हाइकर का स्वर्ग है.

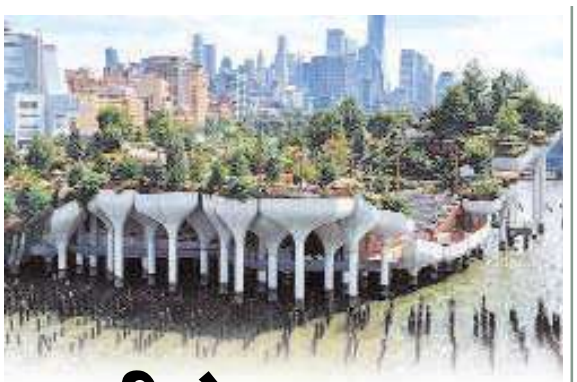

नदी के उपर बना है ये खास पार्क

अमेरिका के न्यूयार्क में हडसन नदी के उपर बना पार्क 2.4 एकड़ में फैला है। इसे लिटिल आइलैंड नाम दिया गया है। क्यों कि यह सड़क के करीब 60 मीटर दूर नदी के उपर बना है। यह पार्क टयूलिप के फूल जैसे कंक्रीट के 132 खंभों से बना है। पार्क को हरा भरा रखने के लिए यहां 350 प्रजातियों के पौधे, 65 प्रजातियों की घास और 50 प्रजातियों की झाड़ियां लगाई गई हैं। यहां खेल का एक मैदान और 687 सीटों वाला ओपन थिएटर भी है। खास बात ये है कि इसे सरकार या स्थानीय प्रशासन ने नहीं बल्कि 71 वर्षीय अमेरिकी अरबपति बेरी डिलर ने बनवाया है। इसकी नींव 2013 में रखी गई थी। इसके निर्माण पर करीब 1900 करोड़ रूपये खर्च हुए हैं। बेरी डिलर का कहना है कि कोरोना काल में लोग जिस तरह से परेशान हैं, उनके लिए पार्क संजीवनी का काम करेगा।

ऐसा आइलैंड जहां आबादी से ज्यादा दिखते हैं सैलानी

लिविंग आईलैंड की उलुबाट लेक सैलानियों के लिए आर्कषण का केंन्द्र बनी हुई है, जो तुर्किये के बोरसा से 90 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद है। यहां पर युनानी द्वीप है, जिनकी संख्या 11 है। इसे अपोलिसंटी भी कहकर पुकारा जाता है। इस आईलैड की खास बात ये है कि यहां रहने वाले लोगों की आबादी 25 हजार है, जब कि यहां घूमने के लिए हर महीने 40 हजार तक लोग आते हैं। ये द्वीप अपने ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व के लिए मशहूर है। इस द्वीप से सटी झील अपनी खूबसूरती के लिए दुनियाभर में मशहूर है। इस झील की सैर करने के लिए सैलानियों के लिए यहां 4 सीजन की नाव यात्राएं होती हैं। यहां का इकोसिस्टम मजबूत होने के कारण इसे रामसर साईट में शामिल किया गया है। दरअसल, यहां पर कई लुत्पप्राय पक्षी पाए जाते हैं। ये द्वीप प्योगो कॉर्मोरेंट, बगुले समेत अनेक पक्षियों का प्रजनन क्षेत्र कहलाता है। यहां पर पतझड़ के मौसम में सबसे ज्यादा सैलानी यहां के नजारों का लुत्फ उठाने के लिए यहां का रूख करते हैं। इतना ही नहीं साल 2000 में इस लेक को इंटरनेशनल लिविंग लेक्स नेटवर्क की सूचि में शामिल कर लिया गया है।

भारतीय संस्कृति में दृढ़ विश्वास से ही सहजयोग में उन्नति संभव है

परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग की संस्थापना के प्रारंभ से ही सहजयोगियों को निर्देशित किया है, कि सहजयोग का मूल आधार सनातन भारतीय संस्कृति ही है। जो भी सहज योग को अपनाता है उसकी उत्क्रांति तभी संभव है, जब वह इस संस्कृति के लिए अपने मन में दृढ़ विश्वास व सम्मान जागृत कर लेता है। परंतु श्री माताजी ने स्वयं ही हमें इस बात के लिए भी सचेत किया है, कि प्रत्येक सभ्यताओं के समान हमारे यहां भी धर्म के मूल तत्व में अनेक कुरीतियां, अंधविश्वास तथा बाह्य आडंबर घुल-मिल गए हैं। शुद्ध ज्ञान के अभाव में हम इन आडंबरों तथा अंधविश्वास को ही धर्म समझने लगते हैं। शुद्ध ज्ञान की प्राप्ति कुंडलिनी जागरण के पश्चात आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति को सहज ही हो जाती है। भारतीय संस्कृति के अनेक प्रमुख मूल्यों व पहलुओं में से एक है दानधर्म। भारतीयों को इस धर्म के बारे में कुछ भी अधिक कहने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हमारे यहां दान कर्म हमारे यहां की प्रतिचर्या का अभिन्न अंग है। गाय को प्रथम ग्रास से लेकर श्वान को दिए जाने वाले अंतिम ग्रास तक तथा समाज के आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े हुए वर्ग को त्यौहारों-पर्वों के अवसर पर प्रेम पूर्वक भेंट किए जाने वाले मिष्ठान, अन्न, वस्त्रादि हमारी ग्रामीण अंचल की विशेषता रही है।

हमारा इतिहास राजा हरिश्चंद्र, राजा शिवि, महर्षि दधीचि, दानवीर कर्ण जैसे सैकड़ों दानवीरों से समृद्ध हैं। भारतवर्ष में राजाओं के दरबार सदैव ही कलाकारों, विद्वानों, ब्राह्मणों आदि की आश्रम स्थली हुआ करते थे। श्री माताजी ने भी अपनी अमृतवाणी में हमें मार्गदर्शित किया है कि, "आशीर्वाद के रूप में जो धन मनुष्य को प्राप्त होता है वह उदारता पूर्वक सृजनात्मक कलाकारों, लेखकों, कवियों की कला तथा जरूरतमंद लोगों की वास्तविक मदद कर आनंद लेने के लिए होता है।"('पराआधुनिक युग' पुस्तक से) श्री माताजी के आख्यान के अनुसार, "सोचना चाहिए पैसा जो है परमात्मा ने हमारे लिए दान के लिए दिया है। हम बीच में एक माध्यम बने खड़े हुए हैं..... इसका जो शुभ कर्म हो सकता है वह करना है और इससे जो भी लोगों की मदद हो सकती है वह करना चाहिए और अच्छे मार्ग में सन्मार्ग में रहना चाहिए।" (15/3/1984 दिल्ली) व्यक्तिगत उन्नति के साथ साथ सामूहिकता सहजयोग की विशेषता है। सहजयोगी, विश्व निर्मला धर्म का अंग तथा परमात्मा के कार्य का माध्यम हैं। अतः संपूर्ण विश्व हमारा कर्मक्षेत्र होना चाहिए तथा उदारमन से हमें प्रत्येक जरूरतमंद की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए।

नगर मंडल भाजपा हाटपीपल्या की सेवा पखवाडा कार्य शाला बैठक ग्राम गोला में संपन्न

हाटपीपल्या। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल भाजपा हाटपीपल्या की सेवा पखवाड़ा कार्य शाला बैठक ग्राम गोला में मुख्य अतिथि जिला महामंत्री मनीष जी सोलंकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह जी सैधव विशेष अतिथि पंकज जी धारू विशेष अतिथि संयोजक अर्जुन सैधव के आतिथ्य में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया बैठक में मुख्य अतिथि मनीष जी सोलंकी ने बैठक में सम्बोधित करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को 17 सितंबर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस को स्वच्छता अभियान व रक्त दान शिविर व सेवा भाव के रूप में मनाने की बात कही साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती समेत 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जी व लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती के आयोजन बुथ स्तर तक मनाने की बात कही। बैठक में पंकज जी धारू सरपंच चेतन सैधव मंडल उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सैधव मंडल उपाध्यक्ष गणेश पाटीदार व अर्जुन सैधव ने भी सम्बोधित किया बैठक का संचालन मंडल महामंत्री रमेश संदूकलिया ने किया स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव ने दिया व आभार वरिष्ठ भाजपा नेता अजाब सिंह सैधव ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से मनीष सोलंकी हरिसिंह टोंडर राजेंद्र सिंह जामनिया कृष्ण पाल सिंह सैधव राजेंद्र चावड़ा राजेंद्र सिंह सैधव अभिमन्यु सैधव धीरज सिंह सैधव धर्मेंद्र सेधव नारायण सिंह सैधव हरेन्द सिंह सैधव नितिन शर्मा प्रेम वर्मा प्रेम नारायण शर्मा यशवंत सिंह हरीश बंजारा शैलेन्द्र सैधव गौरव मेश्रा राजू पठान समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता बैठक में मौजूद थे।

बागली का सीता वन क्षेत्र धार्मिक अस्तित्व समेटे हुए हैं फिर भी राम वन गमन खोज से दूर

विगत दिनों मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने आगामी दीप उत्सव पर राम वनगमन मार्ग को चिन्हित करते हुए रास्ते में आने वाले सभी धार्मिक अस्तित्व को स्वीकार करते हुए वहां पर बड़े भव्य आयोजन की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इस निर्देश में देवास जिले के सीता वन परिक्षेत्र का कोई उल्लेख नहीं है। जबकि धार्मिक दृष्टि से वन परिक्षेत्र में बिखरे हुए धार्मिक अवशेषों को श्रंखलाबद्ध जोड़ा जाए तो राम का अस्तित्व इस क्षेत्र में भी रहा है। इसका प्रमुख प्रमाण पिपरी के निकट स्थित सदियों पुराना प्राचीन सीता मंदिर है। खुदाई के दौरान यहां पर अति प्राचीन धार्मिक अवशेष प्राप्त हुए हैं। यही स्थिति लव कुश आश्रम है इसके विषय में कहा गया कि राम भगवान के सीता माता के त्याग करने पर उन्होंने यहीं रहकर लव कुश को जन्म दिया था। माता सीता की आराध्य देवी 64 योगिनी भी यहां विराजित है। विश्व का एकमात्र मंदिर है यहां पर पूरा राम परिवार एक छत के नीचे है। यही समीप में सीता समाधि भी बताई जाती है जहां पर सीता ने अपनी इक्षा अनुसार भूमि समाधि ली थी। समीप में बहने वाली नदी को भी घोड़ा पछाड़ नदी कहते हैं मान्यता है कि अश्वमेध यज्ञ के दौरान भगवान राम द्वारा छोड़ा गया घोड़ा लव कुश योद्धाओं ने यहीं पर पकड़ा था जिसके अवशेष भी स्थानिय ग्रामीण बताते हैं। बागली के समीप जटायु की तपस्थली जटाशंकर भी अपना महत्व रखता है। और आगे जाने पर चवन ऋषि का आश्रम चंद्र केसर भी यहां पर धार्मिक अवशेष लिए विद्यमान है। पूर्व विधायक एवं हस्तशिल्प विकास निगम के अध्यक्ष रह चुके तेज सिंह सेंधव ने भी अपनी पुस्तक में क्षेत्र में बिक्री धार्मिक विरासत का जिक्र किया है। बोल बम कावड़ यात्रा के संयोजक गिरधर गुप्ता बताते हैं ।कि सीता मंदिर के आसपास पुरातात्विक खोज की जाए तो यह स्थान किसी न किसी रूप में राम वन गमन का साक्षी रहा है। भारत की संस्कृति विरासत सीता वन क्षेत्र में चारों ओर बीखरी है। महाभारत कालीन कावड़िया पहाड़ पांडव कालीन शिव मंदिर जामवंत के समय का जाजम बढ़ आदि स्थान यहां पर अपना इतिहास लिए मौजूद है। सबसे बड़ा सबूत अखिलेश्वर मठ है। इसके विषय में कहा जाता है कि रामेश्वरम में भगवान शिव की स्थापना के लिए श्री राम के आदेश पर पवन दूध हनुमान धारा की स्थिति नर्मदा कुंड से शिवलिंग लेने आए तो कुछ देर विश्राम करने के लिए उक्त स्थान पर रुके थे यहां पर विराजित हनुमान प्रतिमा विश्व में एकमात्र हनुमान प्रतिमा है जिसके कंधे पर शिवलिंग है। इन सभी कड़ियों को जोड़ा जाए तो सीता वन क्षेत्र श्री राम वन गमन पथ का साक्षी रहा है। इस संबंध में बागली विधायक मुरली भंवरा से भी चर्चा की गई है ।उन्होंने आश्वासन दिया है कि वह पुरातत्व विभाग से धार्मिक दृष्टि से जुड़े इन क्षेत्रों को चिन्हित कर उनके इतिहास के विषय में जानकारी साझा करेंगे।

महाराजा यशवंतराव होलकर स्कूल, उषा नगर में मल्हार क्रीड़ा मंडल द्वारा आयोजित वार्षिक इंट्रा-क्लब बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस टूर्नामेंट का समापन गरिमामय ढंग से हुआ

आदित्य शर्मा-सह संपादक

सेमीफाइनल मुकाबले- प्रशांत महंत ने भूषण जैन को 11-9, 11-8, 11-8 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जितेंद्र भंडिया ने विभूति शर्मा को कड़े संघर्ष में 9-11, 12-10, 10-8, 11-9 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला- फाइनल में प्रशांत महंत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जितेंद्र भंडिया को 11-9, 11-9, 8-11, 12-10 से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। उपविजेता का खिताब जितेंद्र भंडिया ने प्राप्त किया।

डबल्स मुकाबला- डबल्स वर्ग में मनीष जोशी और संजय शर्मा की जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए सेमीफाइनल में अजीत मराठे और जयंत साहू को कड़े संघर्ष में 11-9, 9-11, 11-8 से हराकर विजेता बने।

समापन समारोह- समापन समारोह में मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध लेखक एवं खिलाड़ी श्री विजय रंगडेकर (उप प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

एवं श्री विवेक गावड़े उपस्थित रहे। इस अवसर पर संरक्षक श्री अनिल बारगल और अध्यक्ष श्री नरेंद्र फणसे ने सभी खिलाड़ियों एवं आयोजकों को बधाई देते हुए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। विजेता प्रशांत महंत, उपविजेता जितेंद्र भंडिया तथा डबल्स विजेता मनीष जोशी व संजय शर्मा को हार्दिक बधाई!

अमरावती (महाराष्ट्र) से विशेष समाचार

निलेश कृष्णराव गावंडे को क्रीड़ारत्न पुरस्कार

अमरावती (महाराष्ट्र) के गौरव निलेश कृष्णराव गावंडे को सन 2025 में लोकसत्ता संघर्ष की ओर से आयोजित भव्य समारोह में क्रीड़ारत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और योगदान के लिए प्रदान किया गया। सम्मान एडवोकेट सुनील सौन्दर्यमल के करकमलों से दिया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में संदीप माळी साहेब, ह.भ.प. सिद्धनाथ मेटे महाराज, दैनिक केसरी के संपादक अशोक झोटिंग तथा दैनिक नगर दवंडी के संपादक राम नळकांडे उपस्थित रहे। निलेश गावंडे की इस उपलब्धि ने अमरावती सहित पूरे महाराष्ट्र का मान-सम्मान और गौरव बढ़ाया है।

नगर परिषद खनियांधाना की बैठक में गरमागरम मुद्दे

दुकानों, लंबित नामांतरण और कर्मचारियों के वेतन पर तकरार

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

खनियाधाना(शिवपुरी)नगर परिषद खनियांधाना की महत्वपूर्ण बैठक आज सम्पन्न हुई, जिसमें कई अहम और गरमागरम मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक मई 2025 के बाद पहली बार हुई। इस दौरान, सबसे ज्यादा बहस मायापुर रोड पर बनी नई दुकानों, लंबित नामांतरण और नगर परिषद कर्मचारियों के रुके हुए वेतन को लेकर हुई। पार्क की जगह बनीं दुकानें: स्वीकृति और नीलामी पर टला फैसला बैठक में सबसे बड़ा मुद्दा मायापुर रोड पर गायत्री मंदिर के नीचे बनी दुकानों का रहा। जिस जगह पर ये दुकानें बनी हैं, वहां पहले एक पार्क हुआ करता था। इस पार्क का भूमि पूजन स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। पार्षदों ने आरोप लगाया कि ये दुकानें उनकी सहमति के बिना बनाई गई हैं, और इसलिए वे इन्हें स्वीकृति नहीं दे सकते। इस वजह से दुकानों की नीलामी और स्वीकृति का फैसला अगली बैठक तक के लिए टाल दिया गया है।

एक साल से लंबित नामांतरण का मुद्दा और कर्मचारियों के वेतन पर तकरार इसके अलावा, पार्षदों ने एक साल से अधिक समय से रुके हुए नामांतरण के मामलों पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सर्वसम्मति से यह फैसला लिया कि इन लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाया जाए। बैठक में कर्मचारियों के वेतन को लेकर भी तनातनी देखने को मिली। पार्षदों ने यह मुद्दा उठाया कि पिछले 6-7 महीनों से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है और इस पर कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। पार्षदों ने सवाल उठाया कि जब कर्मचारियों के लिए सबसे जरूरी उनका वेतन है, तो इस महत्वपूर्ण मुद्दे को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है।

नई एसी बनी चर्चा का विषय

इसी दौरान, बैठक में एक नया मुद्दा सामने आया। पार्षद सत्य प्रकाश भरदेलिया ने नगर परिषद अध्यक्ष छाया साहू के केबिन में लगी नई एसी पर सवाल उठाए। यह नई एसी बैठक में चर्चा का एक बड़ा विषय बन गई और इस पर अध्यक्ष ने पूर्व सीएमओ पर भी गंभीर आरोप लगाए।

बैठक के मुख्य एजेंडे

बैठक में इन एजेंडों पर भी विचार किया गया:

विभिन्न स्थानों पर नए नल लगाने की योजना।

नगर में साप्ताहिक बाजार लगाने पर विचार।

विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली और बिजली के खंभों के निर्माण और मरम्मत का काम।

माधोपुर रोड, गायत्री मंदिर के पीछे बनी दुकानों की स्वीकृति और नीलामी।

वार्ड 10 में आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण पर विचार।

पार्षदों द्वारा दिए गए आवेदनों पर सुनवाई। नगर परिषद की इस बैठक से यह साफ है कि आने वाले समय में इन मुद्दों पर और भी खींचतान देखने को मिल सकती है। अगली बैठक में इन सभी लंबित मुद्दों पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।